



न्यूज़बीफ

टेस्ट क्रिकेट में एडम वोग्स के नाम है अनौखा रिकार्ड

मुम्बई। टेस्ट क्रिकेट में आस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज एडम वोग्स के नाम एक ऐसा अनौखा रिकार्ड दर्ज है जिसमें महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर भी उनसे पीछे हैं। ये है बिना आउट हुए सबसे ज्यादा रन बनाने का। एडम वोग्स ने साल 2015-16 के अपने शानदार दौर में लगातार बिना आउट हुए कुल 614 रन बनाकर एक नया विश्व रिकार्ड स्थापित किया था। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले नाबाद 269 और फिर नाबाद 106 रनों की अपारधारण पारियां खेलीं। इसके बाद उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ बेल्सिमन टेस्ट में भी बेहतरीन फार्म दिखाते हुए नाबाद 239 रन बनाए। इस दौरान वे लगातार चार पारियों में आउट नहीं हुए। यह विश्व रिकार्ड लगभग एक दशक बीत बाद भी बना हुआ है। वोग्स के तेंदुलकर इस सूची में दूसरे स्थान पर विराजमान हैं। उन्होंने साल 2003-04 में लगातार आउट हुए बिना 497 रन बढे थे। यह उनकी महान तकनीक, धैर्य और अटूट मानसिक दृढ़ता का उकूष्ट उदाहरण था। वेस्टइंडीज के सर्वकालिक महान आलराउंडर सर गैरी सोबर्स ने 1957-58 में लगातार 490 रन बनाकर तीसरा स्थान हासिल किया था, उनका यह प्रदर्शन उस युग में उनकी असाधारण बल्लेबाजी क्षमता को दर्शाता है। आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल व्लाकं चौथे स्थान पर हैं, जिन्होंने 2012-13 के दौरान अपनी टीम के लिए लगातार 489 रन बिना विकेट गंवाए बनाए, जो उनकी कप्तानी और बल्लेबाजी दोनों का प्रतीक था। पांचवें स्थान पर श्रीलंका के कलात्मक विकेटकीपर-बल्लेबाज कुमार संगकारा का नाम आता है, जिन्होंने 2007-08 में लगातार 479 रन बनाकर अपनी वलास और धैर्य का परिचय दिया था। इसके अलावा, भारत के राहुल द्रविड़ (473 रन) और दक्षिण अफ्रीका के सर्वकालिक महान आलराउंडर जैक कैलिस (456 रन) जैसे महान खिलाड़ियों ने भी इस विशिष्ट क्लब में अपनी जगह बनाई है, जिन्होंने अपनी मजबूत मानसिकता और क्रीज पर टिके रहने की क्षमता का प्रदर्शन किया था।

दिल्ली कैपिटल्स के स्पिन गेंदबाजी कोच की जिम्मेदार संभालेंगे अमित मिश्रा



नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2027 सत्र के लिए पूर्व क्रिकेटर अमित मिश्रा को स्पिन गेंदबाजी कोच बनाया है। मिश्रा ने भारतीय टीम की ओर 22 टेस्ट 36 एकदिवसीय और 10 टी20 खेले हैं। इसके अलावा आईपीएल में अलग-अलग फ्रैंचाइजी की ओर से 162 मैच खेले हैं। सितंबर 2026 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद से अब वह कोच की भूमिका में उतरे हैं। अपने खेल करियर के दौरान इस क्रिकेटर ने दिल्ली डेयरडेविल्स (अब दिल्ली कैपिटल्स), डेक्कन चार्जर्स, सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से खेल है। 174 विकेटों के साथ ही वह आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ियों में से एक हैं। इसके अलावा इस लीग में सबसे ज्यादा तीन बार हैट्रिक लेने का रिकार्ड भी उनके नाम है।

सिलिकान वैली ओपन: सेमीफाइनल में हार्थी अनाहत सिंह, सिवासंगरी ने रोका सफ़र

सिलिकान वैली। भारत की युवा स्ववैश खिलाड़ी अनाहत सिंह का सिलिकान वैली ओपन में सफ़र सेमीफाइनल में समाप्त हो गया। खेले गए मुकाबले में उन्हें मलेशिया की तीसरी वरीयात प्राप्त सिवासंगरी सुब्रमण्यम के हाथों 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। विश्व की चौथे नंबर की खिलाड़ी सिवासंगरी के खिलाफ अनाहत ने शानदार

शुरुआत करते हुए पहला गेम 11-5 से जीत लिया। हालांकि, इसके बाद मलेशियाई खिलाड़ी ने वापसी की और अगले तीनों गेम 11-6, 11-4 और 11-7 से जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। 37 मिनट तक चले इस मुकाबले में अनाहत को हार का सामना करना पड़ा। सिवासंगरी के खिलाफ पीएसए टूर में अनाहत की यह तीसरी हार है, जबकि दोनों खिलाड़ियों के बीच अब तक खेले गए मुकाबलों में यह उनकी चौथी हार है। हाल ही में 2026 एशियाई खेलों के महिला एकल फाइनल में भी अनाहत को सिवासंगरी के हाथों हार मिली थी, जिसके कारण उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा था। इससे पहले, विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर काबिज अनाहत ने टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने आठ बार की विश्व चैंपियन और शीर्ष वरीयात प्राप्त मिस की नूर अल शेरबिनी को सीधे गेमों में हराकर क्वाटर् फाइनल में जगह बनाई थी। इसके बाद उन्होंने छठी वरीयात प्राप्त मिस की सलमा हानी को पांच गेम तक चले रोमांचक मुकाबले में हराया और पहली बार पीएसए गोल्ड स्टार के टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने की उपलब्धि हासिल की।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट में हार पर बोले ट्रेविस हेड-बड़ी साझेदारियां बनाना जरूरी

गकेबरहा टेस्ट में 99 रन पर सिमटने से मिली हार, न्यूलैंड्स टेस्ट में बल्लेबाजी सुधारने पर जोर

केपटाउन
दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गकेबरहा टेस्ट में हार के बाद आस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने टीम की बल्लेबाजी में सामूहिक योगदान की कमी पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ महीनों में अलग-अलग बल्लेबाजों ने अच्छी पारियां खेली हैं, लेकिन टीम बड़ी साझेदारियां बनाने में नाकाम रही है। हेड को उम्मीद है कि न्यूलैंड्स में होने वाले अगले टेस्ट में आस्ट्रेलिया इस कमजोरी को दूर करेगा।

गकेबरहा टेस्ट में मिली हार पर हेड ने क्रिकेट आस्ट्रेलिया से बातचीत में बेबाक अंदाज में कहा, हमारा एक दिन बेहद खराब रहा। अगर हम 99 रन पर आउट नहीं हुए होते, तो बहुत संभव था कि टेस्ट ड्रा हो जाता। हमने क्या गलत किया, यह बिल्कुल स्पष्ट है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि एक मजबूत आस्ट्रेलियाई टीम का पूरा सप्ताह खराब रहा।

बांग्लादेश और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए चार टेस्ट मैचों की सात पारियों में छह बार आस्ट्रेलिया के किसी बल्लेबाज ने 50 या उससे अधिक रन बनाए। हेड ने गकेबरहा में 121 रन की पारी खेली। इससे पहले कैमरन ग्रीन ने डार्विन में 104 और मैकें में 67 रन बनाए थे। मैथ्यू रेंशान ने डरबन में 190 और 82 रन की पारियां खेलीं, जबकि स्टीव स्मिथ ने डार्विन में

दूसरी पारी में 71 रन बनाए।

हालांकि, इन प्रदर्शनों के बावजूद टीम को लगातार सामूहिक सफलता नहीं मिली। गकेबरहा में आस्ट्रेलिया की एक पारी 99 रन पर सिमट गई, जिसमें स्मिथ का 28 रन सर्वोच्च स्कोर था।

हेड ने कहा, हमने इस सीरीज से पहले भी इस बारे में बात की थी। हर बार एक अलग खिलाड़ी ने अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन हम टीम के रूप में वैसी सामूहिक बल्लेबाजी नहीं कर पाए, जैसी हमें चाहिए।

उन्होंने कहा कि रेंशान की पिछली सप्ताह की पारी शानदार थी और ऐसे व्यक्तिगत प्रदर्शन मैच जिताने में अहम होते हैं। हालांकि, उन्होंने जोर दिया कि बाकी बल्लेबाजों का सहयोग भी उतना ही जरूरी है।

पैरा एशियाई खेलों में भारत का ऐतिहासिक शिखर, 114 पदकों से रचा नया इतिहास

नई दिल्ली
जापान के आइची-नागोया में आयोजित पैरा एशियाई खेल 2026 में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया। भारतीय दल ने प्रतियोगिता के आखिरी दिन शुक्रवार को 9 स्वर्ण पदक जीतकर अपने अभियान का समापन कुल 114 पदकों के साथ किया। इसमें 30 स्वर्ण, 35 रजत और 49 कांस्य पदक शामिल रहे। भारत का यह इन खेलों में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। भारतीय खिलाड़ियों ने एथलेटिक्स, पैरा बैडमिंटन, पैरा तीरंदाजी और पैरा निशानेबाजी में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

भारत ने 2023 में हांगझोऊ में आयोजित पिछले पैरा एशियाई खेलों के अपने पदक प्रदर्शन को पीछे छोड़ दिया। पिछले संस्करण में भारत ने 111 पदक (29 स्वर्ण, 31 रजत और 51 कांस्य) पदक जीते थे। इस बार भारत ने 168 खिलाड़ियों का दल उतारा था, जो पिछले संस्करण में हिस्सा लेने वाले भारतीय दल की तुलना में काफी छोटा था। पिछले संस्करण में भारत ने 303 (191) पुरुष और 112 महिला खिलाड़ी) खिलाड़ियों का दल उतारा था। इसके बावजूद खिलाड़ियों ने पदकों की संख्या और स्वर्ण पदकों के मामले में नया मानक स्थापित किया। प्रतियोगिता के दौरान भारत पदक तालिका में चौथे स्थान पर रहा।

एथलेटिक्स में पदकों की बारिश, सुमित अंतिल ने दिलाया स्वर्ण – भारतीय एथलीटों ने एक बार फिर देश के पदक अभियान में सबसे बड़ा योगदान दिया। एथलेटिक्स में भारत ने कुल 65 पदक जीते। आखिरी दिन भाला फेंक में सुमित अंतिल ने स्वर्ण पदक जीतकर भारतीय तिरंगे का गौरव बढ़ाया। पैरालंपिक और विश्व चैंपियन सुमित ने पुरुषों की संयुक्त वर्ग स्पर्धा में 72.46 मीटर भाला फेंककर अपना खिताब बरकरार रखा।

इस स्पर्धा में भारत ने तीनों पदक अपने नाम किए। महेंद्र गुर्जर ने 59.03 मीटर के प्रदर्शन के साथ रजत, जबकि संदीप संजय सरपार ने 64.48 मीटर भाला फेंककर कांस्य पदक जीता। संयुक्त वर्ग की इस स्पर्धा में खिलाड़ियों की अलग-अलग श्रेणियों के अनुसार निर्धारित अंकों के आधार पर अंतिम क्रम तय किया गया।

पुरुषों की क्लब श्रो एफ-51 स्पर्धा में प्रणव सूरमा ने 32.87 मीटर के खेल रिकार्ड प्रदर्शन के साथ स्वर्ण पदक